



ACSA

**AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY**

*Where tradition meets innovation*

**15 से 21 मई 2023**

**साप्ताहिक**

**करेंट**

**अफेयर्स**

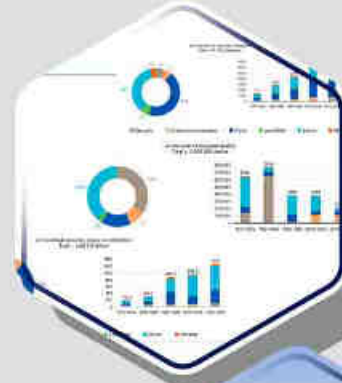
*For*

**UPSC / RPSC**

**EXAMS**

*and All Other Competitive*

- WMO के प्राकृतिक खतरों से मृत्यु दर और आर्थिक नुकसान के अद्यतन आंकड़े
- हाइड्रोजन पर G20 उच्च-स्तरीय सिद्धांत
- एमआरपीएल-एचपीसीएल विलय
- बिग टेक का विनियमन
- पारस स्पेक्ट्रोग्राफ ने घने एक्सोप्लैनेट की खोज की
- दिल्ली के पुराना किला में मिली कलाकृतियां
- भारत के लिए एडीबी की देश भागीदारी रणनीति
- डिजिटल कुंभ संग्रहालय



**A UNIT OF  
AGRAWAL PG COLLEGE**

*Affiliated to University of Rajasthan | Managed by Shri Agrawal Shiksha Samiti  
(A Co-Educational College)*



**+91-8824395504, +91-8290664069**



**www.acsajaipur.com**



**Agrasen Katla, Maharaja Agrasen Marg,  
Agra Road, Jaipur - 302003**



# AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

*Where tradition meets innovation*

## Current Affairs 15 May to 21 May 2023

### Brief:-

- WMO के प्राकृतिक खतरों से मृत्यु दर और आर्थिक नुकसान के अद्यतन आंकड़े
- सैंगोल क्या है?
- हाइड्रोजन पर G20 उच्च-स्तरीय सिद्धांत :
- एमआरपीएल-एचपीसीएल विलय
- सी-केवाईसी डाटाबेस क्या है?
- फोरम शॉपिंग क्या है?
- बिग टेक का विनियमन
- दिल्ली के पुराना किला में मिली कलाकृतियां
- एर्ट का सोलर सिटी प्रोजेक्ट
- इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत पायलट परियोजना
- भारत के लिए एडीबी की देश भागीदारी रणनीति
- डिजिटल कुंभ संग्रहालय

# ACSA





## WMO के प्राकृतिक खतरों से मृत्यु दर और आर्थिक नुकसान के अद्यतन आंकड़े

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने हाल ही में मौसम, जलवायु और जल संबंधी खतरों से मृत्यु दर और आर्थिक नुकसान के एटलस में अद्यतन डेटा जारी किया है।

### मुख्य निष्कर्ष:

1970 और 2021 के बीच बांग्लादेश में जलवायु से संबंधित हताहतों की संख्या सबसे अधिक थी। 281 घटनाओं के कारण 520,758 मौतों के साथ, देश ने चरम मौसम की स्थिति के विनाशकारी परिणामों का अनुभव किया है।

इसी अवधि के दौरान भारत ने कुल 138,377 हताहतों की संख्या दर्ज की।

म्यांमार ने एशिया में मानव हताहतों की तीसरी सबसे बड़ी संख्या दर्ज की। 2008 में इसके इरावदी डेल्टा क्षेत्र में आए विनाशकारी चक्रवात नरगिस के कारण अधिकांश लोग हताहत हुए, जिसके परिणामस्वरूप 138,366 लोगों की जान चली गई।

जलवायु संबंधी घटनाओं के कारण चीन को भी महत्वपूर्ण हताहतों का सामना करना पड़ा। 740 घटनाओं के परिणामस्वरूप 88,457 मौतों के साथ, चीन ने चरम मौसम की विनाशकारी शक्ति का अनुभव किया है। विशेष रूप से, 1975 में बाढ़ के कारण लगभग एक चौथाई लोग हताहत हुए थे।

वैश्विक स्तर पर, आश्चर्यजनक रूप से 1970 और 2021 के बीच 11,778 आपदाओं की सूचना मिली, जो सभी चरम मौसम, जलवायु और पानी से संबंधित घटनाओं के लिए जिम्मेदार हैं। इन घटनाओं के परिणामस्वरूप 2 मिलियन से अधिक मौतें हुईं और 4.3 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। विकासशील देशों ने इनमें से 90% से अधिक हताहतों का खामियाजा भुगता।

एशिया ने मौसम, जलवायु और जल चरम सीमाओं से संबंधित सबसे अधिक आपदाओं की सूचना दी। 3,612 रिपोर्ट की गई आपदाओं के साथ, महाद्वीप में 984,263 मौतें हुईं, जो दुनिया भर में सभी मौतों का 47% है। उष्णकटिबंधीय चक्रवात एशिया में रिपोर्ट की गई मौतों के प्रमुख कारण के रूप में उभरे।

एशिया के बाद, उत्तरी अमेरिका, मध्य अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र में चरम मौसम की घटनाओं की दूसरी सबसे बड़ी संख्या थी। इन घटनाओं के परिणामस्वरूप 77,454 मौतें हुईं और 2 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ। उष्णकटिबंधीय चक्रवातों सहित तूफान से संबंधित आपदाओं ने इस क्षेत्र में आर्थिक नुकसान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

दुनिया भर में, तूफान से संबंधित आपदाएँ, विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय चक्रवात, रिपोर्ट किए गए अधिकांश आर्थिक नुकसान के लिए जिम्मेदार हैं। इन तूफानों की विनाशकारी शक्ति के कारण न केवल जीवन का नुकसान हुआ बल्कि बुनियादी ढांचे, कृषि और अर्थव्यवस्थाओं को भी काफी नुकसान हुआ।





## संगोल क्या है?

नए संसद भवन के आगामी उद्घाटन में, एक महत्वपूर्ण वस्तु जिसे 'सेनगोल' राजदंड कहा जाता है, एक प्रमुख स्थान पर स्थापित किया जाएगा।

'सेनगोल' राजदंड का महत्वपूर्ण ऐतिहासिक महत्व है क्योंकि यह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से अधिकार सौंपने का प्रतिनिधित्व करने वाले भारत के उद्घाटन प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू को उपहार में दिया गया था। तमिल शब्द 'सेम्मई' से व्युत्पन्न, जिसका अर्थ उत्कृष्टता है, 'सेनगोल' शक्ति और अधिकार के अवतार का प्रतिनिधित्व करता है।

## सी राजगोपालाचारी द्वारा सुझाया गया

सत्ता के प्रतीकात्मक हस्तांतरण के लिए 'सेनगोल' राजदंड का उपयोग करने का विचार तब उभरा जब ब्रिटिश भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने एक उपयुक्त प्रतीक के बारे में पूछताछ की। भारत के अंतिम गवर्नर-जनरल, सी राजगोपालाचारी से सलाह लेते हुए, यह राजाजी ही थे जिन्होंने 'सेनगोल' राजदंड के उपयोग का सुझाव दिया था। चोल वंश में इसी तरह के एक समारोह से प्रेरित होकर, जहां राजाओं के बीच सत्ता का हस्तांतरण होता था, राजाजी का मानना था कि 'सेंगोल' भारत के लिए एक उपयुक्त प्रतीक होगा।

## 'अनाई' आदेश की भूमिका

सत्ता के हस्तांतरण समारोह के दौरान, नए शासक को राजदंड की प्रस्तुति के अलावा, तमिल में 'अनाई' नामक एक आदेश दिया गया था। यह आदेश क्षेत्र में न्याय और निष्पक्षता सुनिश्चित करने, 'धर्म' के सिद्धांतों के अटूट पालन के साथ शासन करने की जिम्मेदारी का प्रतीक है।

## वुम्मिदी बंगारु चेट्टी द्वारा तैयार की गई

'सेनगोल' राजदंड को जीवंत करने के लिए, चेन्नई स्थित जौहरी वुम्मिदी बंगारु चेट्टी ने इस ऐतिहासिक प्रतीक को तैयार करने का काम किया। उन्होंने सावधानी से पांच फुट लंबे राजदंड को डिजाइन किया, जिसमें दिव्य बैल, नंदी की राजसी आकृति की विशेषता थी। नंदी 'न्याय' का प्रतीक है, जो न्याय और निष्पक्षता के आदर्शों का प्रतिनिधित्व करता है।

## एक महत्वपूर्ण अवसर

14 अगस्त, 1947 को, तमिलनाडु के तंजौर जिले में एक धार्मिक निकाय के तीन पुजारियों के रूप में एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया, जिसमें बड़ी श्रद्धा के साथ 'सेनगोल' राजदंड था। इस पवित्र समारोह ने अंग्रेजों से एक स्वतंत्र भारत में सत्ता के हस्तांतरण को चिह्नित किया, जिसमें नेहरू को 'सेनगोल' प्राप्त हुआ और यह देश की नई संप्रभुता का प्रतीक था।

## हाइड्रोजन पर G20 उच्च-स्तरीय सिद्धांतः





स्वच्छ और स्थायी ऊर्जा स्रोतों की ओर वैश्विक बदलाव गति प्राप्त कर रहा है क्योंकि देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने का प्रयास कर रहे हैं। इस संदर्भ में, भारत ने हाल ही में G20 एनर्जी ट्रांज़िशन वर्किंग ग्रुप की बैठक में 'हरित, स्वच्छ और निम्न कार्बन' हाइड्रोजन के लिए वैश्विक मानकों पर चर्चा का प्रस्ताव रखा है।

## हरित, स्वच्छ और निम्न कार्बन हाइड्रोजन को बढ़ावा देना

भारत के प्रस्ताव का उद्देश्य हाइड्रोजन उत्पादन के लिए वैश्विक मानक स्थापित करना है जो स्थिरता लक्ष्यों के साथ संरेखित हो। हाइड्रोजन उत्पादन के लिए प्रस्तावित उत्सर्जन सीमा प्रति किलोग्राम हाइड्रोजन के बराबर कार्बन डाइऑक्साइड के 2 किलोग्राम तक है। प्रारंभ में, प्रस्ताव 'हरित हाइड्रोजन' पर केंद्रित था, लेकिन सदस्य देशों के सुझावों के बाद, 'स्वच्छ और निम्न कार्बन' हाइड्रोजन के लिए विचार भी शामिल किए गए थे।

## कार्बन उत्सर्जन मानक निर्धारित करना

भारत का 'हाइड्रोजन पर उच्च-स्तरीय सिद्धांतों' का प्रस्तावित मसौदा विशेष रूप से उत्पादन स्तर पर कार्बन उत्सर्जन मानक स्थापित करने के महत्व को रेखांकित करता है। इसका मतलब यह है कि प्रस्तावित मानक में अंतिम उपयोगकर्ताओं को वितरण के लिए आकस्मिक उत्सर्जन या जीवन-चक्र ग्रीनहाउस उत्सर्जन शामिल नहीं है। उत्पादन उत्सर्जन पर ध्यान केंद्रित करके, इसका उद्देश्य स्वच्छ और अधिक टिकाऊ उत्पादन विधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

## हाइड्रोजन के विविध स्रोत

चर्चाओं के दौरान, कुछ देशों ने हाइड्रोजन उत्पादन के अतिरिक्त स्रोतों के रूप में परमाणु, जलविद्युत और निम्न कार्बन ऊर्जा को शामिल करने की वकालत की। ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने के महत्व को स्वीकार करते हुए, ये सुझाव पर्यावरण के अनुकूल तरीके से हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए विभिन्न विकल्पों का पता लगाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

## ग्रीन हाइड्रोजन की परिभाषा

जनवरी में शुरू किया गया भारत का राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन अक्षय ऊर्जा स्रोतों से उत्पादित हाइड्रोजन के रूप में हरित हाइड्रोजन की स्पष्ट परिभाषा प्रदान करता है। भारत के प्रचुर मात्रा में सौर और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के साथ, देश हरित हाइड्रोजन का एक प्रमुख उत्पादक और निर्यातक बनने का अवसर देखता है। यह स्थायी ऊर्जा समाधानों के लिए वैश्विक दबाव के अनुरूप है।

## आम सहमति का महत्व

जैसे-जैसे दुनिया शुद्ध-शून्य उत्सर्जन भविष्य की ओर बढ़ रही है, हरित हाइड्रोजन की परिभाषा और मानकों पर आम सहमति तक पहुंचना महत्वपूर्ण है। आने वाले वर्षों में हरित, स्वच्छ और निम्न-कार्बन हाइड्रोजन का





## AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

Where tradition meets innovation

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार होने की उम्मीद है। समान मानक स्थापित करने से पारदर्शिता सुनिश्चित होगी, व्यापार सुगम होगा और वैश्विक ऊर्जा प्रणाली में हाइड्रोजन के एकीकरण को सक्षम बनाया जा सकेगा।

### उत्सर्जन टोपियां और अंतराष्ट्रीय मानक

विभिन्न क्षेत्रों ने हाइड्रोजन उत्पादन के लिए अलग-अलग उत्सर्जन सीमाएँ निर्धारित की हैं। यूरोपीय आयोग ने उत्पादित और वितरित हाइड्रोजन के प्रति किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर 3.4 किलोग्राम की सीमा स्थापित की है। यूके 'निम्न कार्बन' हाइड्रोजन को 2.4 किलोग्राम CO<sub>2</sub> प्रति किलोग्राम हाइड्रोजन के रूप में परिभाषित करता है, वितरण को छोड़कर। अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने शुरू में "स्वच्छ हाइड्रोजन" को उत्पादन स्थल पर प्रति किलोग्राम हाइड्रोजन के 2 किलोग्राम सीओ<sub>2</sub> के बराबर के रूप में परिभाषित किया था, जिसे बाद में जीवनचक्र ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को देखते हुए सीओ<sub>2</sub> समकक्ष के 4 किलोग्राम तक बढ़ा दिया गया था।

### एमआरपीएल-एचपीसीएल विलय

तेल मंत्रालय ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्प (ONGC) की सहायक कंपनियों मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (MRPL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड (HPCL) के बीच विलय पर विचार कर रहा है। यह प्रस्ताव, जिसे ओएनजीसी द्वारा पांच साल पहले एचपीसीएल के अधिग्रहण के तुरंत बाद सुझाया गया था, अब जोर पकड़ रहा है। विलय को शेयर-स्वैप सौदे के रूप में संरचित किए जाने की उम्मीद है, जिससे एमआरपीएल के शेयरधारकों को एचपीसीएल के नए शेयरों से लाभ होगा।

वर्तमान में, ONGC के पास 71.63% MRPL है, जबकि HPCL के पास 16.96% और जनता के पास 11.42% हैं। विलय के साथ आगे बढ़ने के लिए, तेल मंत्रालय को कैबिनेट से मंजूरी लेने की उम्मीद है। हालांकि, विनियामक आवश्यकताओं में देरी हो सकती है, जिससे विलय को अगले वर्ष तक धकेला जा सकता है।

### लाभ और कर लाभ

प्रस्तावित विलय का उद्देश्य एचपीसीएल के तहत ओएनजीसी समूह की अधिकांश डाउनस्ट्रीम संपत्तियों को समेकित करना है। एमआरपीएल के लिए केंद्रीय बिक्री कर (सीएसटी) व्यय को कम करके कर लाभ प्रदान करने की उम्मीद है। एचपीसीएल, अपने विशाल खुदरा नेटवर्क के साथ, एमआरपीएल के उत्पादों तक इन-हाउस पहुंच प्राप्त करेगा, जो ईंधन उद्योग में दक्षता बढ़ाने में योगदान देगा।

### सी-केवाईसी डाटाबेस क्या है?

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल ही में वित्तीय संस्थानों के लिए चुनौतियों का सामना करते हुए केंद्रीकृत नो योर कस्टमर (c-KYC) डेटाबेस को उच्च जोखिम के रूप में वर्गीकृत किया है। इस कदम ने बैंकों को ग्राहक प्रमाणीकरण के लिए वीडियो केवाईसी या भौतिक केवाईसी जैसे वैकल्पिक तरीकों का पता लगाने के लिए प्रेरित किया है।





सी-केवाईसी, या केंद्रीकृत अपने ग्राहक को जानें, वित्तीय संस्थानों के लिए अपने ग्राहक को जानने की प्रक्रिया को सरल करता है। यह उन्हें बार-बार दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की आवश्यकता को समाप्त करते हुए एक केंद्रीकृत डेटा रिपॉजिटरी से ग्राहक विवरण प्राप्त करने की अनुमति देता है। इस प्रणाली ने अपनी उपयोगिता और ग्राहक सुविधा के कारण लोकप्रियता हासिल की।

## आरबीआई का हाई-रिस्क टैग

केवाईसी पर मास्टर निर्देश के हालिया अपडेट में, आरबीआई ने ग्राहकों को सी-केवाईसी के माध्यम से उच्च जोखिम के रूप में घोषित किया। इस वर्गीकरण के लिए ऐसे ग्राहकों की बेहतर निगरानी की आवश्यकता होती है जब तक कि उनकी पहचान आमने-सामने बातचीत या वीडियो-आधारित ग्राहक पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) के माध्यम से सत्यापित न हो जाए। इस कदम का उद्देश्य मजबूत ग्राहक प्रमाणीकरण और जोखिम कम करना सुनिश्चित करना है।

## वित्तीय संस्थानों के लिए निहितार्थ

ग्राहक प्रमाणीकरण से जुड़ी बढ़ी हुई लागत के बारे में बैंक और अन्य ऋणदाता चिंतित हैं। जबकि सी-केवाईसी ने लागत प्रभावी समाधान की पेशकश की, नए निर्देश के लिए वीडियो केवाईसी या भौतिक केवाईसी की आवश्यकता है, जो अधिक महंगे तरीके हैं। वीडियो केवाईसी की लागत प्रति ग्राहक 15 रुपये से 30 रुपये के बीच है, जिससे वित्तीय संस्थानों को अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। इसके अलावा, उच्च जोखिम वाले ग्राहकों को हर छह महीने में फिर से केवाईसी से गुजरना पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उधारदाताओं के लिए आवर्ती लागत होती है।

## डेटा गुणवत्ता चिंताएं

सी-केवाईसी रिपॉजिटरी में डेटा की गुणवत्ता को लेकर चिंता जताई गई है। यह दावा किया जाता है कि स्कैन किए गए दस्तावेज़ अक्सर अपठनीय या अपठनीय होते हैं, जिससे धोखाधड़ी का पता लगाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। रिपॉजिटरी का सर्च एपीआई पैन नंबर और जन्म तिथि जैसी आसानी से उपलब्ध जानकारी पर निर्भर करता है, जिसे धोखेबाजों द्वारा दोहराया जा सकता है। ये चिंताएं डेटा सटीकता सुनिश्चित करने और पहचान धोखाधड़ी को रोकने के लिए कड़े उपायों की आवश्यकता पर प्रकाश डालती हैं।

## भविष्य का दृष्टिकोण

जबकि सी-केवाईसी का उपयोग फिनटेक और कई गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा किया जा रहा है, बड़े बैंक विनियामक डिक्टेट के कारण इसके उपयोग पर पुनर्विचार कर रहे हैं। उच्च जोखिम वाले के रूप में सी-केवाईसी ग्राहकों के आरबीआई के वर्गीकरण ने बैंकों को वीडियो केवाईसी की ओर झुकाव के लिए प्रेरित किया है। यह देखा जाना बाकी है कि डेटा गुणवत्ता के मुद्दों को हल करने के लिए सिस्टम कैसे विकसित होता है और ग्राहकों की जानकारी की सटीकता में विश्वास पैदा करता है।





## फोरम शॉपिंग क्या है?

फोरम शॉपिंग एक कानूनी शब्द है जो अधिक अनुकूल परिणाम प्राप्त करने की आशा में किसी विशेष न्यायाधीश या अदालत के समक्ष अपने मामले को लाने के लिए वादकारियों या वकीलों द्वारा जानबूझकर किए गए विकल्प को संदर्भित करता है। इस प्रथा की भारत के सर्वोच्च न्यायालय सहित दुनिया भर की अदालतों ने आलोचना की है।

फोरम शॉपिंग, जैसा कि वेबस्टर डिक्शनरी द्वारा परिभाषित किया गया है, इस उम्मीद के आधार पर कि यह एक अधिक अनुकूल परिणाम प्रदान करेगा, एक मामले पर अधिकार क्षेत्र वाले कई लोगों से एक अदालत का चयन करने का अभ्यास है। जनहित याचिका जैसे अवसरों के माध्यम से अपने मामले के लिए अधिक दृश्यता प्राप्त करने के लिए वकील रणनीतिक रूप से सर्वोच्च न्यायालय जैसे दृष्टिकोण के लिए उपयुक्त मंच पर विचार करते हैं। हालाँकि, नियत प्रक्रिया को दरकिनार करने या विशिष्ट न्यायाधीशों से बचने के ज़बरदस्त प्रयासों को आम तौर पर अस्वीकृत कर दिया जाता है।

## गैर-सुविधाओं का सिद्धांत

संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम सहित सामान्य कानून वाले देशों में, गैर-सुविधाओं के सिद्धांत को फोरम खरीदारी को रोकने के लिए नियोजित किया जाता है। यह सिद्धांत अदालतों को किसी मामले पर अधिकार क्षेत्र से इंकार करने की विवेकाधीन शक्तियाँ प्रदान करता है यदि कोई अन्य अदालत या फोरम मामले की सुनवाई के लिए अधिक सुविधाजनक और उपयुक्त है। इस शक्ति का उपयोग करके, अदालतें न्याय और निष्पक्षता के हित में मामलों को उचित पीठ को निर्देशित करते हुए खारिज कर सकती हैं।

## सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से फोरम शॉपिंग की निंदा की है। चेतक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड बनाम ओम प्रकाश के ऐतिहासिक मामले में, अदालत ने कहा कि "फोरम शॉपिंग के हर प्रयास को भारी हाथ से कुचल दिया जाना चाहिए।" यह फैसला इस प्रथा को रोकने और न्यायिक प्रणाली की अखंडता को बनाए रखने के लिए अदालत की प्रतिबद्धता पर जोर देता है।

विजय कुमार घई बनाम स्टेट ऑफ डब्ल्यूबी के मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने फोरम शॉपिंग को एक विवादित प्रथा के रूप में वर्णित किया जिसमें कानूनी मंजूरी और सर्वोच्चता का अभाव है। अदालत ने विभिन्न अदालतों में कई शिकायतें दर्ज करने के लिए प्रतिवादी की आलोचना की, जो याचिकाकर्ताओं को परेशान करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे का संकेत देती है और उन पर समझौता करने के लिए दबाव डालती है।

## कार्यात्मक परीक्षण





यह निर्धारित करने के लिए कि कोई वादी फोरम शॉपिंग में संलग्न है या नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने एक कार्यात्मक परीक्षण स्थापित किया। भारत संघ और अन्य में। बनाम सिप्ला लिमिटेड, अदालत ने समझाया कि परीक्षण विभिन्न अदालतों में कार्यवाही के बीच कार्यात्मक समानता की जांच करता है और मुकदमेबाज द्वारा नियोजित किसी भी छल की पहचान करता है। यह परीक्षण फोरम खरीदारी प्रयासों से वैध कानूनी रणनीतियों को अलग करने के उपाय के रूप में कार्य करता है।

### **फोरम शॉपिंग के परिणाम**

जम्मू, कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने, डॉ. खैर-उन-निसा और अन्य बनाम जम्मू-कश्मीर संघ शासित प्रदेश और अन्य के मामले में, फोरम शॉपिंग में शामिल होने के लिए याचिकाकर्ताओं पर एक लाख रुपये की लागत लगाई। अदालत ने जोर देकर कहा कि फोरम शॉपिंग न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता को कम करती है और विशिष्ट अदालतों पर अतिरिक्त बोझ डालती है।

### **बेंच हंटिंग और निहितार्थ**

फोरम शॉपिंग से जुड़ा एक अन्य शब्द "बेंच हंटिंग" है, जहां याचिकाकर्ता एक विशेष न्यायाधीश या अदालत द्वारा अपने मामलों की सुनवाई के लिए एक अनुकूल आदेश सुरक्षित करने का प्रयास करते हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने रोस्मेटा एचएसआरपी वेंचर्स प्रा. लिमिटेड बनाम सरकार। दिल्ली और अन्य के एनसीटी के, एक निजी कंपनी पर लागत लगाई गई थी जिसे एक मध्यस्थता मामले में फोरम हंटिंग में शामिल होने का दोषी पाया गया था। यह निर्णय कानूनी प्रणाली में जोड़ तोड़ प्रथाओं को रोकने के लिए अदालत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालता है।

### **बिग टेक का विनियमन**

निजता के उल्लंघन, डेटा सुरक्षा, बाजार प्रभुत्व के दुरुपयोग और भू-राजनीतिक मुद्दों से जुड़ी चिंताओं के कारण बिग टेक की दुनिया नियामक जांच के दायरे में रही है। कई प्रमुख कंपनियों ने जुर्माना, प्रतिबंध और कानूनी लड़ाई का सामना किया है क्योंकि सरकारें और प्रवर्तन एजेंसियां इन चिंताओं को दूर करना चाहती हैं।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने हाल ही में फेसबुक की मूल कंपनी मेटा पर यूरोपीय संघ से अमेरिका में डेटा के ट्रान्साटलांटिक प्रवाह से संबंधित गोपनीयता मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए \$1.3 बिलियन का चौका देने वाला जुर्माना लगाया है। व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए जोखिम के बारे में चिंताओं के कारण जुर्माना लगाया गया था। इसके अतिरिक्त, आयरिश डेटा संरक्षण आयोग ने मांग की कि मेटा अमेरिका में डेटा स्थानांतरण को निलंबित कर दे और अमेरिका में यूरोपीय संघ के डेटा के गैरकानूनी प्रसंस्करण को रोक दे।

### **TikTok प्रतिबंध और सुरक्षा चिंताएं**



## AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

*Where tradition meets innovation*

2020 में चीन के साथ सीमा पर झड़पों के बाद लोकप्रिय शॉर्ट-वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाला भारत पहला देश था। चीन, संभावित रूप से वैश्विक निगरानी को सक्षम कर रहा है। अफगानिस्तान, पाकिस्तान, कनाडा, बेल्जियम और ताइवान सहित कई अन्य देशों ने या तो टिकटॉक पर प्रतिबंध लगा दिया है या सरकार के स्वामित्व वाले उपकरणों पर इसके उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया है।

### Google के प्रभुत्व का दुरुपयोग

Google, खोज में विश्व नेता, ने बाजार प्रभुत्व के अपने कथित दुरुपयोग से संबंधित कानूनी चुनौतियों का सामना किया है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने भारत में अपनी प्रथाओं के लिए अलग-अलग फैसलों में Google पर 2,200 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। कंपनी को अपने बिलिंग सिस्टम और स्थानीय ऐप डेवलपर्स के लिए अपने Play Store पर कथित रूप से हिंसक मूल्य निर्धारण मानदंडों के लिए आलोचना का भी सामना करना पड़ा है। इसी तरह की चिंताओं के कारण यूरोपीय संघ द्वारा जुर्माना लगाया गया है।

### Microsoft का अवरुद्ध अधिग्रहण

यूके में कॉम्पिटिशन एंड मार्केट्स अथॉरिटी ने लोकप्रिय गेम 'कॉल ऑफ ड्यूटी' के निर्माता एक्टिविज़न ब्लिज़ार्ड के माइक्रोसॉफ्ट के \$69 बिलियन के प्रस्तावित अधिग्रहण को रोक दिया। यह निर्णय इस चिंता पर आधारित था कि विलय उभरते हुए क्लाउड गेमिंग मार्केट में प्रतिस्पर्धा को बाधित करेगा। यूएस फेडरल ट्रेड कमीशन ने भी विलय का विरोध किया है, जिससे आगे कानूनी लड़ाई हुई।

### ट्विटर के खिलाफ जर्मनी की कार्रवाई

एलोन मस्क के नेतृत्व में ट्विटर को अभद्र भाषा और गलत सूचना से निपटने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। जर्मनी में, घृणित सामग्री को हटाने में विफल रहने के लिए मंच को संभावित मल्टी-मिलियन-यूरो के जुर्माने का सामना करना पड़ रहा है। देश ने अपने घृणास्पद भाषण निष्कासन कानून के तहत उल्लंघनों से निपटने के लिए तंत्र पेश किया है, और जुर्माने की राशि प्रति मामले €50 मिलियन तक हो सकती है।

### पारस स्पेक्ट्रोग्राफ ने घने एक्सोप्लैनेट की खोज की

ब्रह्मांड की खोज रोमांचक खोजों का खुलासा करना जारी रखती है, और हाल ही में एक घने एक्सोप्लैनेट की खोज ने वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष उत्साही लोगों के बीच समान रूप से अत्यधिक रुचि पैदा की है।

इस नए खोजे गए एक्सोप्लैनेट के प्रमुख पहलुओं में से एक इसका घनत्व है। हाल की गणनाओं में अनुमान लगाया गया है कि घनत्व लगभग 14 ग्राम/सेमी<sup>3</sup> है, जिससे यह कई अन्य ज्ञात एक्सोप्लैनेट्स की तुलना में काफी सघन है। यह खोज इस खगोलीय पिंड की रचना और निर्माण के बारे में पेचीदा सवाल उठाती है।

### अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: एक संयुक्त प्रयास

एक्सोप्लैनेट की खोज में कई देशों के बीच एक सहयोगी प्रयास शामिल था। भारत, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका के वैज्ञानिकों ने इस दूर की दुनिया के रहस्यों को जानने के लिए अपनी विशेषज्ञता और





संसाधनों का योगदान दिया। खगोल भौतिकी के क्षेत्र में इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग ब्रह्मांड की हमारी समझ को आगे बढ़ाने में वैश्विक सहयोग के महत्व को उजागर करते हैं।

## **द स्टार: TOI4603 या HD 245134**

एक्सोप्लैनेट को TOI4603 या HD 245134 के नाम से जाने जाने वाले एक तारे की परिक्रमा करते हुए पाया गया था। इस घने एक्सोप्लैनेट के मेजबान के रूप में अपनी भूमिका के कारण इस तारे ने खगोलविदों का ध्यान आकर्षित किया है। ग्रह निर्माण के तंत्र पर प्रकाश डालते हुए, तारे और एक्सोप्लैनेट के बीच संबंधों का पता लगाने के लिए और अध्ययन चल रहे हैं।

## **बड़े पैमाने पर विशालकाय एक्सोप्लैनेट्स के लक्षण**

नया खोजा गया एक्सोप्लैनेट विशाल विशालकाय एक्सोप्लैनेट की श्रेणी से संबंधित है। इन एक्सोप्लैनेट्स का द्रव्यमान हमारे सौर मंडल के सबसे बड़े ग्रह बृहस्पति से चार गुना अधिक है। इस तरह के बड़े दिग्गज ग्रह निर्माण की हमारी समझ को चुनौती देते हैं और पूरे ब्रह्मांड में आकाशीय पिंडों की विविधता में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

## **मेजबान सितारे से निकटता**

अपने मेजबान तारे से दूरी के संदर्भ में, एक्सोप्लैनेट उल्लेखनीय रूप से निकट सीमा पर परिक्रमा करता है। यह हमारे सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी के 1/10वें हिस्से से भी कम दूरी पर स्थित है, जो उन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को दर्शाता है जिनमें यह मौजूद है। तारे से निकटता एक्सोप्लैनेट द्वारा अनुभव की जाने वाली अनूठी विशेषताओं और स्थितियों में योगदान करती है।

## **बृहस्पति के सापेक्ष द्रव्यमान**

नए एक्सोप्लैनेट के द्रव्यमान की तुलना बृहस्पति के द्रव्यमान से करने पर आश्चर्यजनक असमानता का पता चलता है। नया खोजा गया एक्सोप्लैनेट बृहस्पति की तुलना में लगभग 13 गुना अधिक विशाल है, जो इसके ग्रह प्रणाली के भीतर इसके महत्वपूर्ण आकार और गुरुत्वाकर्षण प्रभाव पर जोर देता है।

## **सतह का तापमान: एक कठोर वातावरण**

एक्सोप्लैनेट की सतह का तापमान लगभग 1670 K होने का अनुमान है, जिससे यह एक अत्यंत गर्म और दुर्गम वातावरण बन जाता है। इस तरह के उच्च तापमान मानव समझ और अन्वेषण की सीमाओं को चुनौती देते हैं, फिर भी वे उन चरम स्थितियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं जो ग्रह सहन कर सकते हैं।

## **एक्सोप्लैनेट खोजों में भारत का योगदान**





भारत ने एकसोप्लैनेट खोजों के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस प्रकार अब तक, भारतीय वैज्ञानिकों ने इस हालिया खोज सहित तीन एकसोप्लैनेट्स का पता लगाने में योगदान दिया है। ये उपलब्धियां खगोल भौतिकी के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत और वैज्ञानिक ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं।

## पारस स्पेक्ट्रोग्राफ: एक अनिवार्य उपकरण

इस एकसोप्लैनेट की खोज पारस (पीआरएल एडवांस्ड रेडियल-वेलोसिटी अबू-स्काई सर्च) द्वारा निभाई गई सहायक भूमिका से संभव हुई थी। भारत में माउंट आबू वेधशाला में स्थित, यह 1.2 मीटर दूरबीन पर काम करता है। पारस में प्रयुक्त स्पेक्ट्रोग्राफ 67000 के रेजोल्यूशन पर संचालित होता है, जिससे रेडियल वेग के सटीक मापन की अनुमति मिलती है।

## दिल्ली के पुराना किला में मिली कलाकृतियां

दिल्ली का पुराना किला, जिसे पुराने किले के रूप में भी जाना जाता है, हाल ही में महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोजों का स्थल रहा है, जो शहर के प्राचीन इतिहास पर प्रकाश डालता है। चल रही खुदाई से ऐतिहासिक कलाकृतियों के खजाने का पता चला है, जो इस क्षेत्र के निरंतर इतिहास में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

पुराना किला में हाल की खुदाई में कई उल्लेखनीय ऐतिहासिक कलाकृतियों का पता चला है। उनमें चित्रित धूसर मृदभांड मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े हैं, जो आमतौर पर 1200 ईसा पूर्व और 600 ईसा पूर्व के बीच की अवधि के हैं। ये मिट्टी के बर्तन पूर्व-मौर्य युग की कलात्मक परंपराओं की झलक पेश करते हैं।

## पुराना किला का महत्व

पुराना किला भारतीय पौराणिक कथाओं में अत्यधिक महत्व रखता है, कई लोग इसे महाभारत में वर्णित इंद्रप्रस्थ का पौराणिक शहर मानते हैं। किले का निर्माण मूल रूप से शेर शाह सूरी द्वारा किया गया था और बाद में मुगल सम्राट हुमायूँ द्वारा इसका जीर्णोद्धार कराया गया था। इसके समृद्ध ऐतिहासिक और पौराणिक जुड़ाव इसे एक मनोरम पुरातात्विक स्थल बनाते हैं।

## सांस्कृतिक स्तर और कालक्रम

पुराना किला में चल रही खुदाई का उद्देश्य विभिन्न ऐतिहासिक अवधियों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई सांस्कृतिक स्तरों को उजागर करके साइट की पूरी कालक्रम स्थापित करना है। अब तक, नौ सांस्कृतिक स्तरों की पहचान की गई है, जिनमें पूर्व-मौर्य, मौर्य, सुंग, कुषाण, गुप्त, गुप्त-उत्तर, राजपूत, सल्तनत और मुगल काल शामिल हैं। यह व्यापक अन्वेषण इंद्रप्रस्थ के प्राचीन शहर की अधिक सूक्ष्म समझ प्रदान करने का वादा करता है।

## भविष्य की योजनाएं



एक बार उत्खनन पूरा हो जाने के बाद, निष्कर्ष इस वर्ष संकलित और प्रस्तुत किए जाएंगे। भविष्य की योजनाओं के हिस्से के रूप में, साइट को फिर से खोल दिया जाएगा और एक ओपन-एयर संग्रहालय में बदल दिया जाएगा, जहां उत्खनन अवशेषों को संरक्षित, संरक्षित और प्रदर्शित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य आगंतुकों को एक मनोरम अनुभव प्रदान करना है जो दिल्ली की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को जीवंत करता है।

## **एट का सोलर सिटी प्रोजेक्ट**

केरल सरकार ने तिरुवनंतपुरम में हर छत को सौर ऊर्जा उत्पादक स्टेशन में बदलने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण परियोजना शुरू की है। एजेंसी फॉर न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी (एनेट) के नेतृत्व में यह महत्वाकांक्षी उद्यम राज्य की राजधानी को देश के सबसे बड़े 'सौर शहरों' में से एक के रूप में स्थापित करना चाहता है। परियोजना का उद्देश्य सौर ऊर्जा की अपार क्षमता का दोहन करना और क्षेत्र में सस्ते श्रम की उपलब्धता द्वारा प्रदान किए जाने वाले लागत लाभ का लाभ उठाना है।

- इस विशाल नेटवर्क का दोहन करके, तिरुवनंतपुरम में उल्लेखनीय 800 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है।
- पहले से ही, 600 सरकारी भवनों में सोलर पैनल इंस्टालेशन हो चुके हैं, हाल ही में अतिरिक्त 150 को चालू किया गया है।
- शेष सरकारी भवनों में अगले कुछ महीनों के भीतर सौर पैनलों से लैस होने की उम्मीद है। इसके अलावा, यदि निजी भवन पहल में शामिल होते हैं, तो अतिरिक्त 700 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकता है, जो राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
- प्रोत्साहन के माध्यम से सौर ऊर्जा अपनाने को बढ़ावा देना
- केंद्र सरकार 3-KW सौर प्रणालियों के लिए 40% की पर्याप्त सब्सिडी की पेशकश करके इस परियोजना का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- इस सब्सिडी से 3-किलोवाट सोलर सिस्टम लगाने की लागत लगभग 1.6 लाख रुपये तक कम की जा सकती है।
- सौर प्रणालियों को अपनाने के लिए और प्रोत्साहित करने के लिए, एट ने एकसपो में बैंक स्टालों की व्यवस्था की है, जिससे लोग अपने सौर प्रणाली की खरीद के लिए ऋण प्राप्त कर सकें।
- केरल सरकार ने सौर प्रणाली की खरीद के लिए बैंक ऋण पर 4% तक ब्याज की पेशकश करके नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प को प्रोत्साहित करने के लिए भी कदम उठाया है।

## **इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत पायलट परियोजना**

भारत सरकार वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत उद्योग के एक महत्वपूर्ण हिस्से पर कब्जा करने के उद्देश्य से एक पायलट परियोजना शुरू करेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के नेतृत्व में, इस



## AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

*Where tradition meets innovation*

पहल का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक सामानों की मरम्मत के लिए भारत को एक केंद्र के रूप में बढ़ावा देना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में देश में सस्ते श्रम की प्रचुर उपलब्धता को एक महत्वपूर्ण लाभ माना जाता है।

मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (MAIT) द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स रिपेयर सर्विसेज आउटसोर्सिंग (ERSO) के लिए सिफारिशें MeitY को प्रस्तुत की गई थीं। जवाब में, सरकार ने पांच साल के भीतर वैश्विक मरम्मत सेवा बाजार के 20% पर कब्जा करने की व्यवहार्यता और क्षमता का आकलन करने के लिए यह पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। वैश्विक मरम्मत सेवा बाजार का वर्तमान मूल्य \$100 बिलियन के बराबर है।

### अवधि और सीमा शुल्क नियम परिवर्तन

पायलट प्रोजेक्ट 1 जून से शुरू होकर दो महीने तक चलने वाला है। इस अवधि के दौरान, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के आयात और निर्यात को सुविधाजनक बनाने के लिए सीमा शुल्क नियमों में ढील दी जाएगी। पहले, ऐसे लेन-देन के लिए अनुमोदन प्रक्रिया में लगभग 10-15 दिन लगते थे। नए नियमों के तहत, अनुमोदन प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी, समय सीमा को घटाकर सिर्फ एक दिन कर दिया जाएगा। इस बदलाव का उद्देश्य दक्षता में सुधार करना और भारत में व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना है।

### प्रतिबंध और लागत लाभ

हालांकि मरम्मत किए गए सामान को घरेलू बाजार में बेचने की अनुमति नहीं होगी, उनके मूल देश के अलावा अन्य क्षेत्रों में उनके निर्यात की अनुमति देने के प्रावधान किए जाएंगे। इसके अलावा, भारत की ई-कचरा नीति को संशोधित किया जाएगा ताकि मरम्मत कंपनियां परीक्षण के आधार पर वजन के हिसाब से 5% आयातित सामानों को घरेलू स्तर पर रीसायकल कर सकें। यह परिवर्तन गैर-मरम्मत योग्य उत्पादों को निपटान के लिए वापस भेजने से जुड़ी रसद लागत को कम करेगा।

मरम्मत सेवा क्षेत्र में अन्य देशों की तुलना में भारत महत्वपूर्ण लागत लाभ रखता है। चीन की तुलना में, भारत 57% लागत लाभ का दावा करता है, और मलेशिया की तुलना में, यह 26% लागत लाभ प्रदान करता है। ये लागत अंतर भारत को आउटसोर्स मरम्मत सेवाओं के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाते हैं।

### भारत के लिए एडीबी की देश भागीदारी रणनीति

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने हाल ही में भारत के लिए अपनी 2023-27 देश साझेदारी रणनीति शुरू की। यह नई रणनीति देश के विकास को गति देने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है।

भारत के लिए सामरिक रणनीति तीन प्रमुख फोकस क्षेत्रों पर जोर देती है।





## AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

*Where tradition meets innovation*

एडीबी, जिसका मुख्यालय मनीला में है, अगले पांच वर्षों में भारत के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य मजबूत, जलवायु-लचीले और समावेशी विकास के लिए भारत की खोज का समर्थन करना है। यह प्रगति और विकास के लिए देश की अपनी दृष्टि के अनुरूप है।

### जलवायु एजेंडा के लिए समर्थन

एडीबी की नई रणनीति भारत के जलवायु एजेंडे का समर्थन करने पर जोर देती है। बैंक की ऊर्जा संक्रमण, परिवहन डीकार्बोनाइजेशन, जलवायु अनुकूलन और आपदा जोखिम प्रबंधन में हस्तक्षेप करने की योजना है। ऐसा करके, एडीबी का लक्ष्य जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने और एक स्थायी भविष्य के निर्माण में भारत के प्रयासों में योगदान देना है।

**शिक्षा, स्वास्थ्य, और बहुत कुछ** जलवायु संबंधी हस्तक्षेपों के अलावा, एडीबी भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के लिए अपना समर्थन बढ़ाएगा। रणनीति शहरी जीवनक्षमता और ग्रामीण विकास में सुधार पर भी केंद्रित है। एडीबी समावेशी विकास हासिल करने में लैंगिक सशक्तिकरण और पर्यावरणीय स्थिरता के महत्व को पहचानता है। इसलिए, इन पहलुओं को भी भारत के लिए इसके उद्देश्यों में शामिल किया गया है।

### एडीबी के अनुमान और योगदान

ADB का अनुमान है कि FY24 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.4% की दर से बढ़ेगी। एडीबी का इरादा प्रमुख राष्ट्रीय पहलों जैसे औद्योगिक गलियारों, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स सिस्टम, शहरी बुनियादी ढांचे, कौशल पारिस्थितिकी तंत्र और छोटे उद्यमों में भाग लेकर देश की प्रगति में सहायता करना है। बैंक अपने उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने के साधन के रूप में सार्वजनिक-निजी भागीदारी का लाभ उठाने का इरादा रखता है।

### डिजिटल कुंभ संग्रहालय

उत्तर प्रदेश में पर्यटन विभाग ने 'डिजिटल कुंभ संग्रहालय' नामक एक उल्लेखनीय परियोजना के निर्माण का प्रस्ताव दिया है। इस संग्रहालय का उद्देश्य आगंतुकों को प्रसिद्ध कुंभ मेले के पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व की अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए एक आधुनिक और गहन अनुभव प्रदान करना है।

प्रस्तावित 'डिजिटल कुंभ संग्रहालय' पर लगभग 60 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। कुंभ मेले की भव्यता का अनुभव करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह एक मनोरम आकर्षण का काम करेगा। संग्रहालय राज्य और देश दोनों की संस्कृति की गहरी समझ प्रदान करेगा।

### अत्याधुनिक सुविधाएं

'डिजिटल कुंभ संग्रहालय' हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम सहित अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसके अतिरिक्त, इसमें ऑडियो-वीडियो कमरे होंगे, जो आगंतुकों के लिए एक मनोरम और तल्लीन





## AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

*Where tradition meets innovation*

करने वाला अनुभव सुनिश्चित करेंगे। संग्रहालय में विभिन्न दीर्घाएँ होंगी, जिनमें से प्रत्येक विभिन्न आध्यात्मिक विषयों को समर्पित होगी।

### गैलरी और प्रदर्शनियां

संग्रहालय में कुंभ मेले के आसपास की समृद्ध विरासत और पौराणिक कथाओं को प्रदर्शित करने वाली कई गैलरी होंगी। ऐसी ही एक गैलरी 'आध्यात्मिक और कुंभ मेला व्याख्या गैलरी' है, जो इस आयोजन के आध्यात्मिक सार में अंतर्दृष्टि प्रदान करेगी। 'समुद्र मंथन गैलरी' फ्लोर प्रोजेक्शन के माध्यम से 'समुद्र मंथन' की महाकाव्य कहानी पेश करके आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। देश में प्रचलित जीवंत अखाड़ा संस्कृति को उजागर करने वाली एक और मनोरम प्रदर्शनी 'अखाड़ा गैलरी' होगी। आगंतुकों को गैलरी के भीतर एक संवादात्मक दीवार के माध्यम से शंकराचार्य की उल्लेखनीय यात्रा का पता लगाने का अवसर मिलेगा।

### अतिरिक्त सुविधाएं

'डिजिटल कुंभ संग्रहालय' एक आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करने से परे होगा, इसके अलावा, संग्रहालय में एक 'सांस्कृतिक हाट' (अक्षयवत), एक समर्पित संग्रहालय, एक गैलरी और थिएटर (अमृत कलश) और एक गेस्ट हाउस होगा, जो लोगों को एक व्यापक अनुभव प्रदान करेगा। आगंतुक।

### One Liner :-

- यू.टी. खादर, 54, सर्वसम्मति से कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष चुने गए, कर्नाटक में इस पद को धारण करने वाले पहले मुस्लिम बन गए।
- INSV तारिणी ने 188 दिनों के बाद 17,000 NM ट्रांस-महासागर अंतर-महाद्वीपीय यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद गोवा बंदरगाह में प्रवेश किया।
- भारत अपने सुपरकंप्यूटिंग कौशल को बढ़ाने और 18-पेटाफ्लॉप सिस्टम स्थापित करने के लिए तैयार है।
- असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों ने सीमा विवादों को सुलझाने के लिए दूसरे चरण की वार्ता शुरू की।
- FSSAI दूध और दुग्ध उत्पादों की देशव्यापी निगरानी करेगा।
- पीएम मोदी ने दिल्ली-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी
- अरुणाचल प्रदेश सरकार NITI Aayog के साथ मिलकर अरुणाचल को बदलने के लिए संस्थान स्थापित करेगी।
- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपतटीय निधियों के लिए मानदंडों को कड़ा कर दिया है।
- बीएसई और एनएसई ने अडानी एंटरप्राइजेज की प्रतिभूतियों को अल्पावधि एएसएम ढांचे के तहत रखा।







## AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

*Where tradition meets innovation*

- भारत और ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य 2023 के अंत तक व्यापक व्यापार समझौते को पूरा करना है।
- सेबी ने एचडीएफसी बैंक को एचडीएफसी एएमसी के नए मालिक के रूप में मंजूरी दी।
- फ्लोरिडा के गवर्नर, रिपब्लिकन रॉन डीसांटिस ने अपने अमेरिकी राष्ट्रपति अभियान की शुरुआत की।
- यूके वीजा पॉलिसी अपडेट: नया आप्रवासन नियम भारतीयों को आश्रितों को लाने से रोकता है।
- चीन ने यू.एस. में नए दूत की नियुक्ति की, एक ऐसे पद को भरने के लिए जो असामान्य रूप से करीब पांच महीने तक खाली रहा।
- बल्गेरियाई लेखक जॉर्जी गोस्पोडिनोव और अनुवादक एंजेला रोडेल ने टाइम शेल्टर के लिए अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीता।
- भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने पुरुष एशिया कप 2023 में चीनी ताइपे को 18-0 से हराया।
- पी वी सिंधु ने आया ओहोरी को हराकर मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।
- यूनान में अंतरराष्ट्रीय जंपिंग मीटिंग में भारतीय लॉन्ग जम्पर मुरली श्रीशंकर ने स्वर्ण और जेसविन एल्ड्रिन ने रजत पदक जीता
- भारत में भारत के रेल मंत्रालय ने बांग्लादेश को 20 ब्रॉड-गेज लोकोमोटिव सौंपे।
- मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क (केएनपी) में एक चीता शावक की मौत हो गई।
- नवंबर 2022 में असम-मेघालय सीमा पर छह लोगों की हत्या की जांच करने वाला एक न्यायिक पैनल फिर से शुरू होने वाला है।
- तमिलनाडु ने तंबाकू युक्त चबाने योग्य खाद्य उत्पादों के निर्माण, बिक्री पर प्रतिबंध बढ़ाया।
- गुरु अर्जुन देव जी शहीदी दिवस सिख धर्म के पांचवें गुरु, गुरु अर्जुन देव जी की शहादत के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
- केंद्र डिजिटल इंडिया अधिनियम का पहला मसौदा जून की शुरुआत में जारी करेगा; दिसंबर तक कानून का अधिक ठोस संस्करण।
- जल प्रबंधन प्रणाली को दोहराने के लिए डेनमार्क जल क्षेत्र के प्रबंधन में राजस्थान की मदद करेगा।
- संसदीय कार्य मंत्रालय नई दिल्ली में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन, NeVA पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित करने के लिए तैयार है।
- गोवा और उत्तराखंड ने 'देखो अपना देश' पहल के तहत राज्यों के बीच पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- स्मार्ट सिटीज मिशन (एससीएम) के तहत आवंटित धन का 90% से अधिक अब तक उपयोग किया जा चुका है, जबकि 73% परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।
- ऑनलाइन गेमिंग में शुद्ध जीत 100 रुपये से अधिक नहीं होने पर किसी खिलाड़ी के लिए स्रोत पर कोई कर कटौती (टीडीएस) आवश्यक नहीं है।





## AGRASEN CIVIL SERVICES ACADEMY, JAIPUR

*Where tradition meets innovation*

- RBI गवर्नर शक्तिकांत दास: FY23 के लिए GDP ग्रोथ 7 फीसदी से ऊपर हो सकती है।
- रूस और चीन पश्चिमी आलोचना के बावजूद आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर करते हैं।
- भारत और ऑस्ट्रेलिया ने प्रवासन समझौते पर हस्ताक्षर किए; ब्रिस्बेन में नया वाणिज्य दूतावास खोलने के लिए।
- बल्गेरियाई लेखक और अनुवादक ने डार्क कॉमिक मेमोरी उपन्यास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीता।
- ऑस्ट्रेलिया ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए मजबूत समर्थन की पेशकश की।
- ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा अपने करियर में पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 बने।
- कार्लोस अल्कराज नवीनतम एटीपी रैंकिंग में नोवाक जोकोविच की जगह नंबर 1 स्थान पर हैं।

# ACSA

